



## EDITOR'S SCATVIEW

*Manoj Kumar Madhavan*

*A significant development on the horizon for India is the imminent arrival of satellite internet. We are on the cusp of a connectivity revolution, with Elon Musk's Starlink recently securing crucial regulatory approval from the Indian government. This paves the way for its much-anticipated commercial launch, promising to extend high-speed internet access to even the most remote corners of the nation.*

*Warner Bros. Discovery (WBD.O) recently announced its strategic decision to split into two independent publicly traded companies by mid-2026. This move will clearly delineate its booming studios and streaming businesses from its more established, but currently declining, cable television networks. It's a clear signal that the future of major media players lies in adapting swiftly to digital-first consumption models.*

*India's Direct-to-Home (DTH) sector faces an existential crisis, plagued by shrinking subscriber bases. The growing frustration among industry stakeholders over the Ministry of Information and Broadcasting's (MIB) inaction on TRAI's proposed license fee reforms highlights a critical regulatory deadlock.*

*In light of these transformative shifts, the report prepared for the All India Digital Cable Federation (AIDCF) by Ernst & Young offers invaluable insights into the broadcasting and cable television industry. It shows how the CATV segment has adapted to market shifts, regulatory changes, and fierce competition from digital-first platforms and the challenges faced by various stakeholders, including cable operators, service providers, and the dedicated workforce.*

*This edition delves deeper into these critical themes, offering analyses and perspectives on how the satellite and cable TV industry can continue to thrive amidst unprecedented change.*

*(Manoj Kumar Madhavan)*

भारत के लिए क्षितिज पर एक महत्वपूर्ण विकास सैटेलाइट इंटरनेट का आसन्न आगमन है। हम कनेक्टिविटी क्रांति के मुहाने पर हैं, हालही में एलन मस्क के स्टारलिंग ने भारतीय सरकार से महत्वपूर्ण विनियामक अनुमोदन प्राप्त किया है। यह इसके बहुप्रतीक्षित वाणिज्यिक लॉन्च का मार्ग प्रशस्त करता है, जो देश के सबसे दूरस्थ कोनों तक भी हाई-स्पीड इंटरनेट एक्सेस का विस्तार करने का वादा करता है।

वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी (डब्ल्यूडी.ओ) ने हाल ही में 2026 के मध्य तक दो स्वतंत्र सार्वजनिक रूप से कारोबार करने वाली कंपनियों में विभाजित होने के अपने रणनीतिक निर्णय की घोषणा की। यह कदम स्पष्ट रूप से इसके तेजी से बढ़ते स्टूडियो और स्ट्रीमिंग व्यवसायों को इसके अधिक स्थापित, लेकिन वर्तमान में गिरावट वाले केवल टेलीविजन नेटवर्क से अलग करेगा। यह एक स्पष्ट संकेत है कि प्रमुख मीडिया प्लेयर्स का भविष्य डिजिटल-फर्स्ट उपभोग मॉडल को तेजी से अपनाने में निहित है।

भारत का डायरेक्ट-टू-होम (डीटीएच) सेक्टर अस्तित्व के संकट से जूझ रहा है, जो घटते ग्राहक आधार से त्रस्त है। ट्राई के प्रस्तावित लाइसेंस शुल्क सुधारों पर सूचना और प्रसारण मंत्रालय (एमआईवी) की निष्क्रियता को लेकर उद्योग के हितधारकों के बीच बढ़ती निराशा एक महत्वपूर्ण गतिरोध को उजागर करती है।

इस परिवर्तनकारी बदलावों के मद्देनजर, अर्न्स्ट-एंड-यंग द्वारा ऑल इंडिया डिजिटल केबल फेडरेशन (एआईडीसीएफ) के लिए तैयार की गयी रिपोर्ट प्रसारण और केवल टेलीविजन उद्योग के बारे में अमूल्य जानकारी प्रदान करती है। यह दिखाता है कि सीएटीवी सेगमेंट ने बाजार में आये बदलावों, विनियामक परिवर्तन और डिजिटल फर्स्ट प्लेटफॉर्म से कड़ी प्रतिस्पर्धा और केवल ऑपरेटरों, सेवा प्रदाताओं और समर्पित कार्यबल सहित विभिन्न हितधारकों के सामने आने वाली चुनौतियों के साथ खुद को कैसे ढाला है।

यह संस्करण इन महत्वपूर्ण विषयों पर गहराई से चर्चा करता है और विश्लेषण व परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत करता है कि किस प्रकार सैटेलाइट और केवल टीवी अभूतपूर्व परिवर्तन के बीच फल-फूल सकता है।

*(Manoj Kumar Madhavan)*